

Fourteenth Lok Sabha

**Session : 8**

**Date : 24-08-2006**

**Participants : Chatterjee Shri Somnath, Lalu Prasad Shri, Singh Shri Prabhunath, Swain Shri M.A. Kharabela, Chatterjee Shri Somnath**

an>

Title : Observation regarding functioning of the House.

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will call you. Let the House function normally.

The House was adjourned by me, as you know, just before the recess. After I left, it has been reported to me – because it is not in the television – that some very very condemnable incident took place. From the Chair, I believe that every section of the House will join me in condemning this incident expressing our greatest annoyance, greatest sorrow that Parliament of India could witness such an incident. I am sure, everybody will see that the glory of this House, the image of this House is maintained – not only maintained but also enhanced. Therefore, I am appealing to everybody to please see that this House functions normally. I would request you to cooperate.

The incident that has been reported to me – I am again saying – should not have happened. It is extremely wrong. It has brought bad name to our great institution. I am condemning it from the Chair. I am requesting all the hon. Members to cooperate. Whoever wants to say anything, we are trying our best to accommodate. There are limitations. Everybody is sitting in the Chair. We have no personal interest, no personal issue. We want the House to function. Therefore, my earnest appeal once again to you is this. I also request you to cooperate with me.

There are some words which have gone on record. I will delete those words. I am saying that I have already decided to expunge them. They will be expunged. I am sure, this is no disrespect to the great institution that you want. I am sure about that. Therefore, if there is some mistake, if there is some wrong behaviour, I condemn that also. I am sure, Members will realise that this is not helping you, not helping our great country. We have got such a responsibility and such an honour also to be Members of this House. People have sent us here. Therefore, let us all cooperate.

Please leave it to me. I respect everybody. I will delete only that portion which is contemptuous, which should not be there. I also strongly disapprove using of words which are not proper. Let us not go further into it. My appeal to you is this. Let us help each other, carry on the business. I appeal to Shri Prabhunath Singh. I also appeal to this side, Shri Lalu Prasad Yadav and everyone of you to please see that this great institution functions because our very existence is for this institution. Let us not destroy it ourselves. Therefore, this is my appeal.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके निर्देश का आदर करते हुए कहना चाहता हूँ कि संसदीय जनतंत्र में मर्यादित भाषा के इस्तेमाल से, गार्डेड लैंग्वेज में कटु से कटु बात को भी रखा जा सकता है। आपने अभी अपील की, आपके अपील

करने से पहले मैंने यह तय किया और आपने भी हिदायत की थी कि अगर इसी तरह का व्यवहार होगा तो भारतीय संसद में हम लोगों को यह देखना पड़ेगा, जैसा सीन आज आया। जो उत्तर प्रदेश असैम्बली में हुआ था।

अध्यक्ष महोदय : छोड़िये।

श्री लालू प्रसाद : मैं एक तरफा बात नहीं कर रहा हूँ और मैं चेतावनी भी नहीं दे रहा हूँ। आप मेरी बात सुन लीजिए। पटना के लखीसराय और आरा में दो इन्सीडेंट्स हुए। मुख्य मंत्री, नीतीश जी को मैंने फोन किया कि दोनों को बुलाकर सुन लीजिए। मुख्य मंत्री ने सुना। ये सभी लोग पटना में गये, ह्यूमैन राइट्स कमीशन में गये, महिला आयोग में गये। आर.जे.डी. ने इस सवाल को कल उठाया ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उसे छोड़िये।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लालू जी, अभी जरूरत नहीं है। हम भी यह मानते हैं, हम भी सोचते हैं और आप भी, जो घटना घटी है, उस घटना की आप निन्दा करेंगे।

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप भी मेरी बात को सुन लीजिए। आज... (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Mr. Speaker, Sir, nothing should be done to further complicate the situation. Our appeal is that nothing should be done to complicate the situation.

श्री लालू प्रसाद : आप मेरी बात को रखने दीजिए। मेरी बात पूरी नहीं हुई है। मेरी बात पहले सुनिए।... (व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, हमारी भी बात एक मिनट सुन लीजिए। हमें कोई आपत्ति नहीं है कि लालू जी अपनी बात को रखें लेकिन उस बात पर, जो विाय वह कह रहे हैं, उस विाय पर, फिर हम लोगों को भी कहने का मौका दिया जाना चाहिए।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is not final. That is a State matter.

श्री लालू प्रसाद : महोदय, आज जिस भाग का यहां इस्तेमाल किया गया, मैं पूरे सदन से, सभी माननीय सदस्यों से... (व्यवधान) सभी दल के लोगों से... (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : जो बाद में हुआ, उसके बारे में क्या कहना है ?... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप पहले हमारी बात को सुनिए।... (व्यवधान) आप क्यों डिफेंड करते हैं ? महोदय, यहां रिकार्ड है और दुनिया ने देखा है कि प्रभुनाथ सिंह जी ने किस तरह से कहा कि ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, वह नहीं बोला है। उसके बाद बोला है। हमने देखा है। लालू जी, इस पर मत जाइए। जो रिकार्ड में है, हमने देखा है।

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप उसे देखिए। पूरा सदन देखें।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :हम देखेंगे। ठीक है, हम देखेंगे। यह जो घटना हुई है, ठीक नहीं हुई है। आप हमारे ऊपर छोड़ दीजिए।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, आप रिकार्ड देखिए और सदन के सभी दलों के नेता देखें। मैं एकतरफा इस एक्शन की प्रतिक्रिया में, मेरे दल के कतिपय सांसदों द्वारा जो यहां पर, टेबल पर व्यवहार हुआ, मैं एकतरफा क्षमा चाहता हूं और मैं एनश्योर करता हूं कि हमारे दल के कोई भी सदस्य, लेकिन इसी तरह का व्यवहार होगा तो कोई मंत्री या कोई सांसद किसी तरह की गाली सुनने नहीं आया है, चूड़ी पहनकर बैठने नहीं आया है, क्या कोई इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करेगा ?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :ठीक है, आप लोग बैठ जाइए। हम उनको मौका दे रहे हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :हम देखेंगे कौन कितना रहना चाहिए, रखेंगे।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let us rise to the occasion. Prabhunathji, हाउस का बहुत बुरा समय जा रहा है। हम आपसे अपील कर रहे हैं let us all rise to the occasion. After all, we are all concerned. We are all brothers and sisters, we are working in that spirit. कभी-कभी पॉलिटिक्स का जो होता है, वह छोड़िए। वह तो हम लोगों की पॉलिटिक्स की लड़ाई रहेगी। पॉलिटिक्स को छोड़कर यहां व्यक्तिगत नहीं होना चाहिए। आपसे अपील कर रहे हैं। आपकी हम इज्जत करते हैं, हम सबकी ही इज्जत करते हैं। थोड़ा काम करने दीजिए। हमारे आन्ध्र प्रदेश के दोस्त, हमारे भाई लोग सुबह से बैठे हैं, वे इन्तजार कर रहे हैं, हम उनको थोड़ा बोलने देना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हम भी एक मिनट में अपनी बात रखना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :आप भी इतने ब्रॉडमाइंडेड हैं। आप भी मान लीजिए। सब ठीक है।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो कुछ भी बोला है, आपकी प्रोसीडिंग में है और आपने प्रोसीडिंग अंदर मंगाकर पढ़ी भी है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :ठीक है, हम तय करेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई भी ऐसा शब्द नहीं कहा है जिससे मैंने किसी व्यक्ति का अपमान किया हो। आपने पढ़ा है, मैंने भी पढ़ा है। आपके चैम्बर में हमने पढ़ा है और वह प्रोसीडिंग में दर्ज है। इसके बाद जो भाषा बोली जाती है कि इसी तरह बोला जाएगा तो उत्तर प्रदेश की विधान सभा बन जाएगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :नहीं, नहीं, अब नहीं होगा। हमने बोला है।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश विधान सभा इस सदन को बनाना है कि कुछ और बनाना है, यह तो तय करना होगा।...(व्यवधान) ऐसे एक बात करके कोई भी बात नहीं चल सकती है और मैं यह कहता हूं कि जिस ढंग की यह घटना इस

लोक सभा में की गई, वह निन्दनीय तो है। मैं महसूस करता हूँ कि मैं लोक सभा के सदस्य के लायक नहीं हूँ। इसलिए मैं अपना इस्तीफा आपको दे रहा हूँ। आप इसे स्वीकार कीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, नहीं, मैं सबके सामने ही करता हूँ।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर मैं दोगी हूँ तो मेरे खिलाफ कार्रवाई कीजिए।...(व्यवधान) जो भी दोगी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई कीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, हो गया।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: He will come back. I will personally get him back.

... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: All right. Now, I call Shri Madhusudan Reddy.

... *(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Sir, please allow me for two minutes...  
*(Interruptions)*

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है? आप बैठ जायें।

... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: खाखेल जी, आप सीनियर मैम्बर हैं। You are a very respected Member. Please take your seat.

... *(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, please allow me for two minutes... *(Interruptions)* Sir, why are you not allowing me to speak?... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: All right. Please say what you want to say.

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, I will never use such words, which will further complicate the issue. I have been in this House for the last nine years. I never expected that any time any physical attack could be made on me. I am really frightened today because I think that in future physical attack could be made on any hon. Member of this House.

I would like to put one question here, Sir. You please go through the comments made by Shri Lalu Prasad. He did not apologise. You may go through it. Before just apologising, he stopped. He did not apologise. That is not his intention. He will never apologise. He thinks it is good. I am just putting one question to you Sir. Shall I come to this House... *(Interruptions)* with my bodyguard? Should I be protected physically in this House? I seek this assurance from you, Sir.

MR. SPEAKER: You will be fully protected. I think, it is the obligation of all of us. You will be fully protected. Not only you, Shri Swain, but every hon. Member of this House has the right to be protected and I am sure, in future, all of us realise that what has happened is totally condemnable and it should never be repeated. Otherwise, the strongest possible action will be taken. I can assure you that if today's warning is not heeded, then nobody will be spared, whichever side he may belong to. I can assure you this so long as I am here.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please sit down. Do not go into all these things. I have called Shri Madhusudan Reddy. They are patiently waiting since morning. At my request they have come and have expressed regret for yesterday's thing. You can come in the front, Mr. Reddy.

---